

26⁷/₂₄

पानाली पेडा / ककील बाटी कुतुपरीलय ह, लाल
प. 20 P M हो रहा है, काकाल अगवाई गई,
बदला विना, पुनः काकाल अगवाई गई।
आ - का काकाल अगवावे पर भी न नीचाडीका
स्वयं न ही इनके कथिपत्रना उप. है
ऊनः का काकाल राजरी ककाल काकी
के कथिपत्र विना जाना है, पानाली
पेडाल शुकाल की जाल, काड अकरील
दाकिल अकरील) 